अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BHOPAL
Saket Nagar, Bhopal (M.P.) – 462020
PR Cell – Press Release 15th OCtober

दिनांक 13.10.2020 को एम्स, भोपाल की ओपीडी सेवाओं के संबंध में कुछ समाचार पत्रों द्वारा गलत खबर के प्रकाशित किए जाने के संदर्भ में यह स्पष्टीकरण जारी किया जाता है।

विभिन्न अवसरों पर पूर्व में भी मीडिया के माध्यम से जनसाधारण की जानकारी के लिए सूचनाएं साझा की जाती रही हैं। अब पुनः सूचित किया जाता है कि एम्स, भोपाल अस्पताल द्वारा विभिन्न माध्यमों से रोगियों की देखभाल की जा रही है। जिनकी जानकारी निम्नानुसार हैः–

1. **कोविड–19 के संभावित रोगियों के जांच के साथ–साथ नमूने संग्रहण एवं रूकने की व्यवस्था अलग से की गई है।**
2. **कोविड इमरजेंसीः** कोविड–19 संक्रमण के संभावित रोगियों के लिए उनकी स्थिति के आधार पर शाम 05:00 बजे से लेकर सुबह तक पूर्णतया कार्यशील है।
3. **नॉन कोविड इमरजेंसी तथा ट्रॉमाः** नियमित आपातकालीन एवं ट्रॉमा रोगियों के लिए।
4. **दैनिक ओपीडी** का विभिन्न चिकित्सा संबंधी विभागों द्वारा निर्धारित स्लॉटों में मातृ एवं शिशु देखभाल सहित विशेषज्ञता एवं उच्च विशेषज्ञता वाली सेवाओं का संचालन किया जा रहा है।
5. **ई–ओपीडी एवं टेली परामर्श सेवाएंः** एम्स, भोपाल द्वारा जून, 2020 से ही बाह्य रोगी (OPD) सेवाओं को ई–ओपीडी सेवा के रूप में विस्तारित किया जा चुका है तथा यह जानकारी पूर्व में मीडिया के माध्यम से जनहित में प्रसारित भी की गई थी। विभिन्न विशेषज्ञता एवं उच्च विशेषज्ञता विभागों की सेवाओं का संचालन ई–अस्पताल पोर्टल (उपलब्ध लिंक: **ORS.gov.in**) जो कि राष्ट्रीय सूचना केंद्र (NIC) द्वारा संधारित एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रोद्यौगिकी मंत्रालय के सयुंक्त प्रयास से संचालित है के माध्यम से टेली परामर्श एवं विडियो कॉन्फ्रेसिंग द्वारा किया जा रहा है।

वर्तमान में जारी कोविड–19 महामारी के कारण रोगियों में कोविड संक्रमण फैलने से रोकने के उद्देश्य से सभी रोगियों से उचित सामाजिक दूरी बनाये रखने एवं फेस मास्क का उपयोग करने संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करने का अनुरोध किया गया है और इसी वजह से ओपीडी पंजीयन का समय सुबह 11:30 बजे तक सीमित किया गया है।

उक्त दिन (दिनांक 12.10.2020) जिसके बारे में मीडिया के एक भाग द्वारा प्रतिकूल खबर प्रकाशित की गई को एम्स, भोपाल द्वारा **240 नए रोगियों एवं 482 फॉलोअप/पुनः आगमन (कुल 722 रोगी)** वाले रोगियों का उपचार किया गया। यह आंकड़े स्पष्टतया प्रमाणित करते हैं कि ओपीडी सेवाओं का अबाध संचालन हो रहा था तथा जो नए रोगी पंजीयन के लिए उचित समय पर (जैसे–सुबह 08:30 बजे से 11:30 बजे तक) आये थे उनका पंजीयन किया गया तथा उन्हें ओपीडी में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। देरी से आने वाले रोगियों को समय पर आने की सलाह दी गई एवं इमरजेंसी की स्थिति वाले रोगियों को अटेंड भी किया गया।

इस बात पर पुनः बल देना उचित होगा कि एम्स, भोपाल द्वारा कोविड–19 के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है और इसकी ओपीडी का संचालन करते समय सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है कि इसके प्रतीक्षालय क्षेत्र में अधिक भीड़ इकट्ठा ना होने पाये। ई–ओपीडी एवं टेली–परामर्श के माध्यम से सतत् सेवाएं जारी रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास किये जा रहे हैं।

यहां पर किसी भी प्रकार की ''अव्यवस्था'' जो कि कुछ खबरों में दर्शाया गया है की कोई गुंजाईश नहीं है तथा यह आपत्तिजनक एवं भ्रामक है । एसी खबरें रोगियों एवं जनसामान्य में हड़बड़ी एवं चिन्ता का कारण बनती हैं। इससे कोविड–19 महामारी काल में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने लिए सतत् एवं अथक प्रयास किये जाने के बावजूद अनावश्यक रूप से एम्स, भोपाल जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की छवी भी धूमिल होती है।

(डॉ.लक्ष्मी प्रसाद)
अपर चिकित्सा अधीक्षक एवं
जन सम्पर्क अधिकारी